Himachal Dastak 17-02-2026

परीक्षाओं में नकल नहीं काबिलियत की होगी परख

धर्मशाला में आयोजित बैठक के दौरान बोले स्कूल शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा

हिमाचल दस्तक ब्यूरो ▮ धर्मशाला

- कहा- प्रश्नपत्रों में बढ़ेगा कठिन सवालों का स्तर, उड़नदस्तों की भूमिका को बनाया जाएगा और प्रभावी
- परीक्षा ड्यूटी में कोताही बरतने वाले शिक्षकों पर रहेगी पैनी नजर

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड आगामी वार्षिक परीक्षाओं को लेकर पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में सोमवार को अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में परीक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और छात्र हितैषी बनाने के लिए कई क्रांतिकारी बदलावों पर मुहर लगाई गई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी बोर्ड परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए विशेषज्ञों से संवाद स्थापित करना और परीक्षा व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर ठोस मार्गदर्शन प्राप्त करना रहा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बैठक के दौरान स्पष्ट किया कि इस बार प्रश्नपत्रों के निर्माण में कठिन प्रश्नों का अनुपात बढ़ाया जाएगा। इसका सीधा उद्देश्य विद्यार्थियों की केवल किताबी रटंत विद्या को परखना नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक समझ और विश्लेषणात्मक क्षमता का सटीक मूल्यांकन सुनिश्चित करना है। बोर्ड का मानना है कि इस बदलाव से मेधावी छात्रों की असली प्रतिभा निखरकर सामने आएगी और मूल्यांकन की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुदृढ़ किया जा सकेगा। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए बोर्ड ने फ्लाइंग स्क्वॉयड (उड़नदस्तों) की भूमिका को और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है।

इसके साथ ही, परीक्षा केंद्रों पर तैनात शिक्षकों की जिम्मेदारियों को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है ताकि ड्यूटी के दौरान किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए। बैठक में परीक्षा संचालन, गोपनीयता, अनुशासन और निगरानी व्यवस्था को और अधिक निष्पक्ष बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे आम जनता का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास और मजबूत हो सके। इस महत्वपूर्ण रणनीति को तैयार करने में शिक्षा, पुलिस और प्रशासनिक क्षेत्र के अनुभवी दिग्गजों ने अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए। बैठक में मुख्य रूप से राजेंद्र जम्वाल (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, विजिलेंस), कमलेश कुमारी (उप निदेशक, स्कूल शिक्षा विभाग), नवनीत शर्मा, ओपी कालश (सेवानिवृत्त उपनिदेशक), आरपी चोपड़ा (सेवानिवृत्त प्राचार्य) और डॉ. अशोक कुमार (केंद्रीय विश्वविद्यालय) सहित बोर्ड प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। अध्यक्ष ने सभी विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर एक ऐसी परीक्षा व्यवस्था का आश्वासन दिया है जो पूरी तरह से पारदर्शी और छात्र हितैषी होगी।

परीक्षाओं में नकल नहीं, काबिलियत की परख

प्रश्नपत्रों में बढ़ेगा कठिन सवालों का स्तर, परीक्षा प्रणाली में कई क्रांतिकारी बदलाव

दिव्य हिमाचल ब्यूरो – धर्मशाला

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड आगामी वार्षिक परीक्षाओं को लेकर पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में सोमवार को अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में परीक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और छात्र-हितैषी बनाने के लिए कई क्रांतिकारी बदलावों पर मुहर लगाई गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी बोर्ड परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए विशेषज्ञों से संवाद स्थापित करना और परीक्षा व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर ठोस मार्गदर्शन प्राप्त करना रहा। बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने स्पष्ट किया कि इस बार प्रश्नपत्रों के निर्माण में कठिन प्रश्नों का अनुपात बढ़ाया जाएगा। इसका सीधा उद्देश्य विद्यार्थियों की केवल किताबी रटंत विद्या को परखना नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक समझ और विश्लेषणात्मक क्षमता का सटीक मूल्यांकन सुनिश्चित करना है। बोर्ड का मानना है कि इस बदलाव से मेधावी छात्रों की असली प्रतिभा निखरकर सामने आएगी और मूल्यांकन की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुदृढ़ किया जा सकेगा। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ रोकने के लिए बोर्ड ने उड़नदस्तों की भूमिका को और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है। परीक्षा केंद्रों पर शिक्षकों की जिम्मेदारियों को परिभाषित किया गया है, जिससे ड्यूटी के दौरान किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए। अध्यक्ष ने सभी विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर एक ऐसी परीक्षा व्यवस्था का आश्वासन दिया है, जो पूरी तरह से पारदर्शी होगी।

धर्मशाला। बैठक के दौरान शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष राजेश शर्मा व अधिकारी

■ शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष बोले उड़नदस्ते होंगे और शक्तिशाली

दिव्य हिमाचल
Tue, 17 February 2026
https://epaper.divyahimachal.com/c/79187575

Anant Gyan 17-02-2026

वार्षिक परीक्षाओं में अब नकल नहीं, काबिलियत की होगी परख

प्रश्नपत्रों में बढ़ेगा कठिन सवालों का स्तर, परीक्षा ड्यूटी में कोताही बरतने वाले शिक्षकों पर रहेगी नजर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड आगामी वार्षिक परीक्षाओं को लेकर पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में सोमवार को अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में परीक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और छात्र-हितैषी बनाने के लिए कई क्रांतिकारी बदलावों पर मुहर लगाई गई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी बोर्ड परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए विशेषज्ञों से संवाद स्थापित करना और परीक्षा व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर ठोस मार्गदर्शन प्राप्त करना रहा।

बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बैठक के दौरान स्पष्ट किया कि इस बार प्रश्नपत्रों के निर्माण में कठिन प्रश्नों का अनुपात बढ़ाया जाएगा। इसका सीधा उद्देश्य विद्यार्थियों की केवल किताबी रटंत विद्या को परखना नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक समझ और विश्लेषणात्मक क्षमता का सटीक मूल्यांकन सुनिश्चित करना है। बोर्ड का मानना है कि इस बदलाव से मेधावी छात्रों की असली प्रतिभा निखरकर सामने आएगी और मूल्यांकन की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुदृढ़ किया जा सकेगी। बैठक में मुख्य रूप से राजेंद्र जम्वाल (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, विजिलेंस), कमलेश कुमारी (उप निदेशक, स्कूल शिक्षा विभाग), ओपी कालश (सेवानिवृत्त उप निदेशक), आरपी चोपड़ा (सेवानिवृत्त प्राचार्य) और डॉ. अशोक कुमार (केंद्रीय विश्वविद्यालय) सहित बोर्ड प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

बैठक की अध्यक्षता करते बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश। अनंत ज्ञान

उड़नदस्तों की भूमिका होगी अधिक सक्रिय और प्रभावी

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए बोर्ड ने फ्लाइंग स्क्वायड (उड़नदस्तों) की भूमिका को और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों पर तैनात शिक्षकों की जिम्मेदारियों को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, ताकि ड्यूटी के दौरान किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए। बैठक में परीक्षा संचालन, गोपनीयता, अनुशासन और निगरानी व्यवस्था को और अधिक निष्पक्ष बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे आम जनता का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास और मजबूत हो सके। इस महत्वपूर्ण रणनीति को तैयार करने में शिक्षा, पुलिस और प्रशासनिक क्षेत्र के अनुभवी दिग्गजों ने अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए। अध्यक्ष ने सभी विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर एक ऐसी परीक्षा व्यवस्था का आश्वासन दिया है जो पूरी तरह से पारदर्शी और छात्र-हितैषी होगी।

Dainik Jagran
17-02-2026

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला में सोमवार को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा और मौजूद अन्य ● जागरण

इस बार बोर्ड परीक्षाओं में पूछे जाएंगे कठिन प्रश्न : डा. राजेश

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने वार्षिक परीक्षाओं को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में सोमवार को अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में परीक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और छात्र-हितैषी बनाने के लिए कई क्रांतिकारी बदलावों पर मुहर लगाई गई। डा. राजेश शर्मा ने कहा कि इस बार प्रश्नपत्रों में कठिन प्रश्नों का अनुपात बढ़ाया जाएगा। इसका उद्देश्य है कि विद्यार्थियों की रटने की नहीं बल्कि उनकी 'वास्तविक समझ' और 'विश्लेषणात्मक क्षमता' का सटीक मूल्यांकन किया जाए। इस बदलाव से मेधावी विद्यार्थियों की असली प्रतिभा निखरकर सामने आएगी और मूल्यांकन की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुदृढ़ किया जा सकेगा।

परीक्षा के दौरान किसी भी गड़बड़ी को रोकने के लिए बोर्ड ने उड़नदस्तों (फ्लाइंग स्क्वाड) की भूमिका को और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है।

परीक्षा केंद्रों पर तैनात शिक्षकों की जिम्मेदारियों को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, ताकि

स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष बोले-वास्तविक समझ और विश्लेषणात्मक क्षमता का सटीक मूल्यांकन के लिए उठाएंगे कदम

ड्यूटी के दौरान किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए। बैठक में परीक्षा संचालन, गोपनीयता, अनुशासन और निगरानी व्यवस्था को और अधिक निष्पक्ष बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे आम जनता का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास और मजबूत हो सके। इस महत्वपूर्ण रणनीति को तैयार करने में शिक्षा, पुलिस और प्रशासनिक क्षेत्र के अनुभवी दिग्गजों ने बहुमूल्य सुझाव साझा किए।

बैठक में मुख्य रूप से दैनिक जागरण के राज्य संपादक नवनीत शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेंद्र जम्वाल, शिक्षा उपनिदेशक सेकेंडरी कमलेश कुमारी, सेवानिवृत्त उपनिदेशक ओपी कलश, सेवानिवृत्त प्राचार्य आरपी चोपड़ा और केंद्रीय विश्वविद्यालय से डा. अशोक कुमार सहित बोर्ड प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। अध्यक्ष ने सभी विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर एक ऐसी परीक्षा व्यवस्था का आश्वासन दिया है जो पूरी तरह से पारदर्शी और छात्र-हितैषी होगी।

डिजिटल अखबार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज
16 फरवरी, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए डिजिटल न्यूज़ पेपर पहली नजर के साथ

वार्षिक परीक्षाओं में अब नकल नहीं काबिलियत की होगी परख

प्रश्नपत्रों में बढ़ेगा कठिन सवालों का स्तर

उड़नदस्ते होंगे और भी शक्तिशाली, परीक्षा ड्यूटी में कोताही बरतने वाले शिक्षकों पर रहेगी पैनी नजर

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड आगामी वार्षिक परीक्षाओं को लेकर पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में सोमवार को अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में परीक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और छात्र-हितैषी बनाने के लिए कई क्रांतिकारी बदलावों पर मुहर लगाई गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी बोर्ड परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए विशेषज्ञों से संवाद स्थापित करना और परीक्षा व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर ठोस मार्गदर्शन प्राप्त करना रहा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बैठक के दौरान स्पष्ट किया कि इस बार प्रश्नपत्रों के निर्माण में कठिन प्रश्नों का अनुपात बढ़ाया जाएगा। इसका सीधा उद्देश्य विद्यार्थियों की केवल किताबी रटंत विद्या को परखना नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक समझ और विश्लेषणात्मक क्षमता का सटीक मूल्यांकन सुनिश्चित करना है। बोर्ड का मानना है कि इस बदलाव से मेधावी छात्रों की असली प्रतिभा निखरकर सामने आएगी और मूल्यांकन की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुदृढ़ किया जा सकेगा। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए बोर्ड ने फ्लाइंग स्क्वॉड (उड़नदस्तों) की भूमिका को और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, परीक्षा केंद्रों पर तैनात शिक्षकों की जिम्मेदारियों को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, ताकि ड्यूटी के दौरान किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए।

परीक्षा संचालन को निष्पक्ष बनाने पर की चर्चा

डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि बैठक में परीक्षा संचालन, गोपनीयता, अनुशासन और निगरानी व्यवस्था को और अधिक निष्पक्ष बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे आम जनता का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास और मजबूत हो सके।

इस महत्वपूर्ण रणनीति को तैयार करने में शिक्षा, पुलिस और प्रशासनिक क्षेत्र के अनुभवी दिग्गजों ने अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए।

ये रहे उपस्थित

बैठक में मुख्य रूप से राजेंद्र जमवाल (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, विजिलेंस), कमलेश कुमारी (उप निदेशक, स्कूल शिक्षा विभाग), नवनीत शर्मा (संपादक, दैनिक जागरण), ओ.पी. कालश (सेवानिवृत्त उप निदेशक), आर.पी. चोपड़ा (सेवानिवृत्त प्राचार्य) और डॉ. अशोक कुमार (केंद्रीय विश्वविद्यालय) सहित बोर्ड प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। अध्यक्ष ने सभी विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर एक ऐसी परीक्षा व्यवस्था का आश्वासन दिया है जो पूरी तरह से पारदर्शी और छात्र-हितैषी होगी।

Annual examinations will now be a test of competence, not cheating: Dr. Rajesh Sharma

Full 'action mode' regarding examinations

SANJAY AGGARWAL, DHARAMSHALA

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA FEB 16 : The Himachal Pradesh Board of School Education has gone into full action mode regarding the upcoming annual examinations. A high-level meeting held at the board headquarters in Dharamshala on Monday, chaired by Chairman Dr. Rajesh Sharma, approved several revolutionary changes to make the examination system more transparent, reliable, and student-friendly. The main objective of this meeting was to establish dialogue with experts for the successful conduct of the upcoming board examinations and obtain concrete guidance on various aspects of the examination system. During the meeting, Board Chairman Dr. Rajesh Sharma clarified that the proportion of difficult questions in the question papers will be increased this time. This is aimed at ensuring accurate assessment of students' "real understanding" and "analytical ability," rather than merely testing their bookish memorization. The Board believes that this change will bring out the true talent of meritorious students and strengthen the quality of assessment to international standards. To prevent any malpractices during the examination, the Board has decided to make the role of flying squads more active and effective. Furthermore, the responsibilities of teachers deployed at examination centers have been clearly defined to ensure that no negligence occurs at any level during their duties. The meeting discussed in detail the conduct of examinations, confidentiality, discipline, and monitoring, ensuring more fairness in the examination process, thereby strengthening public confidence in the examination system. Experienced leaders from the education, police, and administrative fields shared valuable suggestions in formulating this important strategy. The meeting was primarily attended by senior Board administration officials, including Rajendra Jamwal (Additional Superintendent of Police, Vigilance), Kamlesh Kumari (Deputy Director, School Education Department), Navneet Sharma (Editor, Dainik Jagran), O.P. Kalsh (Retired Deputy Director), R.P. Chopra (Retired Principal), and Dr. Ashok Kumar (Central University). The Chairman has assured an examination system based on the suggestions of all experts which will be completely transparent and student-friendly.

Apka Faisla 17-02-2026

प्रश्नपत्रों के निर्माण में कठिन प्रश्नों का अनुपात बढ़ाया जाएगा : डॉ. राजेश शर्मा

उड़नदस्ते होंगे और भी शक्तिशाली, परीक्षा ड्यूटी में कोताही बरतने वाले शिक्षकों पर रहेगी पैनी नज़र

धर्मशाला,(सन्नी महाजन)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड आगामी वार्षिक परीक्षाओं को लेकर पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में सोमवार को अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में परीक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और छात्र-हितैषी बनाने के लिए कई क्रांतिकारी बदलावों पर मुहर लगाई गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी बोर्ड परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए विशेषज्ञों से संवाद स्थापित करना और परीक्षा व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर ठोस मार्गदर्शन प्राप्त करना रहा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बैठक के दौरान स्पष्ट किया कि इस बार प्रश्नपत्रों के निर्माण में कठिन प्रश्नों का अनुपात बढ़ाया जाएगा। इसका सीधा उद्देश्य विद्यार्थियों की केवल किताबी रटंत विद्या को परखना नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक समझ और विश्लेषणात्मक क्षमता का सटीक मूल्यांकन सुनिश्चित करना है। बोर्ड का मानना है कि इस बदलाव से मेधावी छात्रों की असली प्रतिभा निखरकर सामने आएगी और मूल्यांकन की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुदृढ़ किया जा सकेगा। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए बोर्ड ने फ्लाइंग स्क्वॉड (उड़नदस्तों) की भूमिका को और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, परीक्षा केंद्रों पर तैनात शिक्षकों की जिम्मेदारियों को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, ताकि ड्यूटी के दौरान किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए। इस महत्वपूर्ण रणनीति को तैयार करने में शिक्षा, पुलिस और प्रशासनिक क्षेत्र के अनुभवी दिग्गजों ने अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए। बैठक में मुख्य रूप से राजेंद्र जमवाल (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, विजिलेंस), कमलेश कुमारी (उप निदेशक, स्कूल शिक्षा विभाग), नवनीत शर्मा (संपादक, दैनिक जागरण), ओ.पी. कालश (सेवानिवृत्त उप निदेशक), आर.पी. चोपड़ा (सेवानिवृत्त प्राचार्य) और डॉ. अशोक कुमार (केंद्रीय विश्वविद्यालय) सहित बोर्ड प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। अध्यक्ष ने सभी विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर एक ऐसी परीक्षा व्यवस्था का आश्वासन दिया है जो पूरी तरह से पारदर्शी और छात्र-हितैषी होगी।

पंजाब केसरी
TUE,17 FEBRUARY 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

वार्षिक परीक्षाओं में कठिन प्रश्नों का अनुपात बढ़ाया जाएगा : डा. राजेश

■ ड्रनदस्ते होंगे और भी शक्तिशाली, परीक्षाड्यूटी में कोताही बरतने वाले शिक्षकों पर रहेगी पैनी नजर

धर्मशाला, 16 फरवरी (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड आगामी वार्षिक परीक्षाओं को लेकर तैयारियों में जुट गया है। इसी को लेकर सोमवार को स्कूल शिक्षा बोर्ड में बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने की।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी बोर्ड परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए विशेषज्ञों से संवाद स्थापित करना और परीक्षा व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर ठोस मार्गदर्शन प्राप्त करना रहा।

बुद्धिजीवियों के भी लिए गए परीक्षा को लेकर सुझाव

बैठक में परीक्षा संचालन, गोपनीयता, अनुशासन और निगरानी व्यवस्था को और अधिक निष्पक्ष बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे आम जनता का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास और मजबूत हो सके। परीक्षा प्रणाली को तैयार करने में शिक्षा, पुलिस और प्रशासनिक क्षेत्र के अनुभवी दिग्गजों ने अपने बहुमूल्य सुझाव सांझा किए।

डा. राजेश ने बैठक के दौरान कहा कि इस बार प्रश्न पत्रों के निर्माण में कठिन प्रश्नों का अनुपात बढ़ाया जाएगा। इसका सीधा उद्देश्य विद्यार्थियों की केवल किताबी रटंत विद्या को परखना नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक समझ और विश्लेषणात्मक क्षमता का सटीक मूल्यांकन सुनिश्चित करना है।

बोर्ड का मानना है कि इस बदलाव से मेधावी छात्रों की असली प्रतिभा निखरकर सामने आएगी और मूल्यांकन की गुणवत्ता को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुदृढ़ किया जा सकेगा। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए बोर्ड ने फ्लाइंग स्क्वायड की भूमिका को और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है।

इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों पर तैनात शिक्षकों की जिम्मेदारियों को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, ताकि ड्यूटी के दौरान किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए।

धर्मशाला : परीक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और छात्र-हितैषी बनाने के लिए स्कूल शिक्षा बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा। (ब्यूरो)

Amar Ujala 17-02-2026

बोर्ड की परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों में इस बार कठिन सवालों का अनुपात बढ़ेगा

स्कूल शिक्षा बोर्ड मुख्यालय में परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

अमर उजाला ब्यूरो

इयूटी में कोताही बरतने वाले शिक्षकों पर रहेगी नजर

धर्मशाला। इस बार स्कूल शिक्षा बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्नपत्र तैयार करते समय कठिन प्रश्नों का अनुपात बढ़ाया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की केवल किताबी रटंत विद्या को परखना नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक समझ और विश्लेषणात्मक क्षमता का सटीक मूल्यांकन सुनिश्चित करना है।

बोर्ड मुख्यालय में अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक में परीक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और छात्र-हितैषी बनाने के लिए कई बदलावों पर मुहर लगाई गई।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी बोर्ड परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए विशेषज्ञों से संवाद स्थापित करना और परीक्षा व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर ठोस मार्गदर्शन प्राप्त करना रहा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बैठक के दौरान स्पष्ट किया कि इस बार प्रश्नपत्रों को तैयार करते समय कठिन प्रश्नों का अनुपात बढ़ाया जाएगा। बोर्ड का मानना है कि इस बदलाव से मेधावी छात्रों की असली प्रतिभा निखरकर सामने आएगी और मूल्यांकन की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मजबूत किया जा सकेगा।

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए बोर्ड ने फ्लाइंग स्क्वॉड (उड़नदस्तों) की भूमिका को और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है।

परीक्षा संचालन, गोपनीयता पर की गई चर्चा : बैठक में परीक्षा संचालन, गोपनीयता, अनुशासन और निगरानी व्यवस्था को और अधिक निष्पक्ष बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजिलेंस राजेंद्र जंवाल, कमलेश कुमारी (उप निदेशक, स्कूल शिक्षा विभाग), ओपी कालशा (सेवानिवृत्त उप निदेशक), आरपी चोपड़ा (सेवानिवृत्त प्राचार्य) और डॉ. अशोक कुमार (केंद्रीय विश्वविद्यालय) सहित बोर्ड प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।